मेवाड़ में वीर सावरकर जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई

महापुरुषों के गुण अपनाकर देश के लिए जीना सीखें-डॉ. अलका

- विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किये वीर सावरकर के जीवन पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम

- लघु फिल्म के जरिये किया विद्यार्थियों को जागरूक

गाजियाबाद। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित वीर सावरकर जयंती समारोह में देशभक्तिपूर्ण कविताओं, लघु फिल्म व सम्भाषणों ने खूब समां बांधा। विद्यार्थियों के अलावा भावी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने वीर सावरकर के जीवन पर आधारित अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थी महापुरुषों के गुणों को आत्मसात करें। उनके आधार पर अपना जीवन ढालें और देश व समाज के लिए जीना सीखें। तभी हम सच्चे अर्थों में वीर सावरकर की जयंती मनाने में सफल हो पाएंगे।

उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं को आज नौकरियां मिलें, यह तो जिंदगी का एक सफल मकसद हो सकता है मगर देश और समाज के लिए युवाओं को प्रेरित कर सकें, यह एक शिक्षक का काम है। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस इसी भावना को मिशन के रूप में लेकर निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर मुस्लिम विरोधी कतई नहीं थे। वह 200 सबजातियों में बंटी हिन्दू संस्कृति के खिलाफ थे। इस संस्कृति को संगठित करना ही उनका मकसद था। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या खुद ही हल करनी होगी। डॉ. अलका अग्रवाल ने वीर सावरकर के जीवन के अनेक संदर्भों को शब्दचित्र के जरिये रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यातनाएं सहने से कभी नहीं डरना चाहिए। यातनाएं सहने वाला लम्बी आयु जीता है। वीर सावरकर का जीवन इसका एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने एक रोचक संदर्भ से इस बात की पुष्टि की।

इससे पूर्व मेवाड़ की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने वीर सावरकर, शारदे मां व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप जलाया और पुष्प अर्पित कर अपनी भावांजलि दी। समारोह में बीएड व बीटीसी के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना, स्मिता ने वंदेमातरम गीत, वंदना ने एकल गीत, हेमंत, अभिषेक अवस्थी व अपर्णा ने सम्भाषण, रेशू व हिमांशु ने कविता और बीएड के विद्यार्थियों ने समूह गान से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। वीर सावरकर पर आधारित लघु फिल्म प्रसारित कर विद्यार्थियों को वीर सावरकर के प्रति जागरूक किया गया। समारोह का सफल संचालन छात्रा हेमंत व सौम्य श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

VEER SAVARKAR
JAYANTI

मैं, विनायक दामोदर सावरकर, मेरे स्वर की आत्मा भारतमाता को समर्पित है...,
देशवासियों, अब तो जागो...
देशद्रोहियों की प्रथम पंक्ति में खड़े रहने से कहीं अच्छा है कि देशभक्तों की अंतिम पंक्ति में खड़ा होना...
जिस देश में जन्म लिया और जिसका अन्न खाया, उसके ऋण से मुक्त हुए बिना अपने लिए स्वर्ग के द्वार कदापि नहीं खुल सकते...
Dr. Alka Agarwal
Pramod Kr. Madeshia
Father's Name-
Damodar Savarkar
Mother's Name-
Born-28 May,
1883. Bhgur, Nashik
Maharastra.

Wishing You Happy
Veer Savarkar Jayanti

Today's Programme
Mewar Group of Institutions
Celebrates
VEER SAVARKAR
JAYANTI
Venue : Vivekanand Hall